विषय : सामाजिक विज्ञान
कक्षा–10

इसमें एक लिखित प्रश्नपत्र–70 अंकों का एवं 30 अंकों का प्रोजेक्ट कार्य होगा।

इकाई		अंक
I	भारत और समकालीन विश्व–2 (इतिहास)	20
II	समकालीन भारत –2 (भूगोल)	20
III	लोकतांत्रिक राजनीति–2 (नागरिकशास्त्र)	15
IV	आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र)	15
	योग	**70**
	प्रोजेक्ट कार्य	30
	योग	**100**

इकाई–1 (इतिहास)
भारत और समकालीन विश्व–2 — 20 अंक

खण्ड–1

घटनायें और प्रक्रियायें–

(1) यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय– **08 अंक**

1. 1830 ई0 के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय
2. जोसेफ मेत्सिनी आदि के विचार
3. पोलेण्ड, हंगरी, इटली, जर्मनी और ग्रीस आन्दोलन की सामान्य विशेषताएँ।

(2) भारत में राष्ट्रवाद

1. प्रथम विश्व युद्ध का प्रभाव, खिलाफत, असहयोग एवं विभिन्न आन्दोलनों के मध्य विचारधारायें।
2. नमक सत्याग्रह।
3. जनजातियों, श्रमिकों एवं किसानों के आन्दोलन।
4. सविनय अवज्ञा आन्दोलन की सीमायें।
5. सामूहिक अपनत्व की भावना।

खण्ड–2
जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

(3) भूण्डलीकृत विश्व का बनना–

1. पूर्व आधुनिक विश्व
2. उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) विश्व अर्थव्यवस्था (उपनिवेशवाद) **खण्ड–2 और खण्ड–3**
3. महायुद्धों के मध्य अर्थव्यवस्था आर्थिक महामंदी (घोर निराशा) **07 अंक**
4. विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण (वैश्वीकरण की शुरूआत)

(4) औद्योगीकरण का युग–

1. औद्योगिक क्रान्ति से पहले एवं औद्योगिक परिवर्तन की गति
2. उपनिवेशों में औद्योगीकरण
3. प्रारम्भिक उद्यमी और कामगार
4. औद्योगिक विकास का अनूठापन
5. वस्तुओं के लिये बाजार

खण्ड–3
रोजाना की जिन्दगी, संस्कृति और राजनीति

(5) **मुद्रण संस्कृति और आधुनिक विश्व–**

1.यूरोप में मुद्रण का इतिहास।
2.19वीं सदी में भारत में प्रेस का विकास।
3.राजनीति, सार्वजनिक विवाद और मुद्रण संस्कृति में सम्बन्ध।

(6) **मानचित्र कार्य–** **05 अंक**

इतिहास : भारत का रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र

अध्याय–3 : भारत में राष्ट्रवाद – (1918–1930)

दर्शाना और नामांकन/पहचान।

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन :

   कलकत्ता (सितम्बर, 1920)

   नागपुर (दिसम्बर, 1920)

   मद्रास (1927)

   लाहौर (1929)

2. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के महत्वपूर्ण केन्द्र (असहयोग आन्दोलन और सविनय अवज्ञा आन्दोलन)

   (i) चम्पारण (बिहार)– नील की खेती करने वाले किसानों का आन्दोलन।

   (ii) खेड़ा (गुजरात) –किसान सत्याग्रह।

   (iii) अहमदाबाद (गुजरात)– सूती मिल श्रमिकों का सत्याग्रह।

   (iv) अमृतसर (पंजाब) – जालियांवाला बाग कांड।

   (v) चौरी–चौरा (उत्तर प्रदेश)– असहयोग आन्दोलन का उद्घोष।

   (vi) डांडी (गुजरात) – सविनय अवज्ञा आन्दोलन।

दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र कार्य से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

इकाई–2 : समकालीन भारत–2 (भूगोल) **20 अंक**

इकाई–1 **09 अंक**

1. **संसाधन एवं विकास–** संसाधन नियोजन की आवश्यकता; प्राकृतिक संसाधन, एक संसाधन के रूप में भूमि, मिट्टी के प्रकार तथा वितरण; भू–उपयोग के प्रारूप में परिवर्तन; भू–क्षरण (निम्नीकरण) तथा संरक्षण के उपाय।
2. **वन एवं वन्य जीव संसाधन–** भारत में वनस्पतिजगत् एवं प्राणिजगत्; भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण; समुदाय और वन संरक्षण
3. **जल संसाधन–** संसाधन, वितरण, उपयोग, बहुउद्देशीय परियोजनाएं, जल दुर्लभता, संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता; वर्षा जल संचयन (एक केस स्टडी के साथ)
4. **कृषि–** कृषि के प्रकार; मुख्य्र फसले, शस्य प्रारूप, तकनीक तथा संस्थागत सुधार; उनका प्रभाव;

इकाई–2 **06 अंक**

5 **खनिज तथा ऊर्जा संसाधन–** खनिजों के प्रकार, वितरण (केवल मानचित्र पर), खनिजों के उपयोग तथा आर्थिक महत्व, संरक्षण, ऊर्जा संसाधनों के प्रकार; परम्परागत तथा गैर–परंपरागत, वितरण तथा उपयोग एवं संरक्षण।

6 **विनिर्माण उद्योग–** प्रकार, अवस्थितिक (Spatial) वितरण (केवल मानचित्र पर); राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान, औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण।

7 **राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ–** संचार एवं परिवहन के साधनों का महत्व, व्यापार तथा पर्यटन।

1. **मानचित्र कार्य–** **05 अंक**

भूगोल : भारत का रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र

अध्याय–1 : संसाधन और विकास

मृदाओं के प्रमुख प्रकारों की पहचान।

अध्याय–3 : जल संसाधन दर्शाना एवं नामांकन –

बांध–

1. सलाल
2. भाखड़ा नांगल
3. टेहरी
4. राणा प्रताप सागर
5. सरदार सरोवर
6. हीराकुंड
7. नागार्जुन सागर
8. तुंगभद्रा : (नदियों के साथ)

अध्याय–4 : कृषि

केवल पहचान–

(क) चावल एवं गेहूँ के प्रमुख क्षेत्र

(ख) प्रमुख / सबसे बड़े उत्पादक राज्य : गन्ना, चाय, काफी, रबड़, और जूट।

दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र कार्य से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

इकाई–3 : लोकतांत्रिक राजनीति–2 (नागरिक शास्त्र) — 15 अंक

इकाई–1 **09 अंक**

अध्याय–1 एवं 2

सत्ता की साझेदारी एवं संघवाद– लोकतांत्रिक देशों में सत्ता की साझेदारी क्यूँ और कैसे? कैसे शक्ति का संघीय विभाजन राष्ट्रीय एकता में सहायक रहा है? किस सीमा तक विक्रेन्द्रीकरण ने इस उद्देश्य की पूर्ति की है? लोकतंत्र किस प्रकार से विभिन्न सामाजिक समूहों को समायोजित करता है?

अध्याय–3 जाति, धर्म और लैंगिक मसले–

क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभाजन निहित है? जाति का राजनीति और राजनीति का जाति पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? किस प्रकार से लैंगिक भिन्नता भेद ने राजनीति को प्रभावित किया है? किस प्रकार साम्प्रदायिक विभाजन लोकतंत्र को प्रभावित करता है?

इकाई–2 **06 अंक**

अध्याय–4 राजनीतिक दल–

प्रतियोगिता और प्रतिवाद (संघर्ष) में राजनीतिक दलों की क्या भूमिका होती है? भारत में प्रमुख राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल कौन–कौन से हैं?

2. **अध्याय–5**

लोकतंत्र के परिणाम–

क्या लोकतंत्र को उसके परिणामों से आँकलित किया (परखा) जा सकता है या किया जाना चाहिए?
कोई भी व्यक्ति लोकतंत्र से क्या तार्किक अपेक्षाएँ कर सकता है? क्या भारतीय लोकतंत्र इन अपेक्षाओं की पूर्ति करता है?
क्या लोकतंत्र लोगों के विकास, सुरक्षा और गरिमा को बनाये रखने की ओर अग्रसर रहा है?
भारत के लोकतंत्र को किसने जीवित रखा है? (अथवा किसने भारतीय लोकतंत्र को बनाये रखा है?)

<u>इकाई–4 : आर्थिक विकास की समझ</u> (अर्थशास्त्र) 15 अंक

इकाई–1 09 अंक

1. **<u>विकास</u>** : विकास की पारम्परिक अवधारणा; राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय। आय और अन्य लक्ष्य, औसत आय, आय और अन्य मापदण्ड, शिशु मृत्यु दर, विकास की धारणीयता।
2. **<u>भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक–</u>** आर्थिक क्रियाओं के क्षेत्र; क्षेत्रों में ऐतिहासिक परिवर्तन; तृतीयक क्षेत्र का बढ़ता महत्व; रोजगार सृजन; कार्यक्षेत्रों का विभाजन– संगठित तथा असंगठित, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के संरक्षण के उपाय।
3. **मुद्रा तथा साख** – अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिकाः बचत तथा साख के लिये औपचारिक एवं अनौपचारिक वित्तीय संस्थाएँ– सामान्य परिचय; किसी एक औपचारिक संस्थान जैसे कोई राष्ट्रीयकृत वाणिज्यिक बैंक तथा कुछ अनौपचारिक वित्तीय संस्थानों का चयन किया जाय; स्थानीय साहूकार, जमींदार, चिट फण्ड तथा निजी वित्तीय कम्पनियाँ।

इकाई–2 06 अंक

4. **भूमंडलीकरण तथा भारतीय अर्थव्यवस्था (वैश्वीकरण)–** विभिन्न देशों में उत्पादन, विदेशी व्यापार तथा विभिन्न बाजारों का आपस में जुड़ना, वैश्वीकरण क्या है? कारक, विश्व व्यापार संगठन (WTO) प्रभाव, न्यायसंगत वैश्वीकरण।

5. **उपभोक्ता अधिकार** – उपभोक्ता का शोषण कैसे होता है (एक या दो साधारण केस अध्ययन), उपभोक्ताओं के शोषण के कारण; उपभोक्ता जागरूकता का उदय; बाजार में उपभोक्ता को कैसा होना चाहिए ? उपभोक्ता संरक्षण में सरकार की भूमिका।

<u>प्रोजेक्ट कार्य/गतिविधि</u>

- शिक्षार्थी भारत के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की वेशभूषा तथा विशिष्ट ग्रामीण भवनों के छायाचित्र एकत्र कर सकते हैं तथा यह परीक्षण कर सकते हैं कि क्या यह उस क्षेत्र की जलवायवीय परिस्थितियों तथा भू–आकृति (Relief) से कोई सम्बन्ध प्रदर्शित करते हैं।
- शिक्षार्थी पिछले दशक में खेती की पद्धति में आए परिवर्तनों तथा गाँव में प्रचलित विभिन्न सिंचाई की विधियों पर संक्षिप्त रिपोर्ट लिख सकते हैं।

  <u>पोस्टर</u>–
  - क्षेत्र में जल प्रदूषण।
  - वनों का संरक्षण तथा ग्रीनहाउस प्रभाव

  नोट– कोई समान गतिविधि भी चुनी जा सकती है।

<u>प्रोजेक्ट कार्य</u>

- प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नांकित प्रोजेक्ट कार्य करना होगा–
  1. लोकप्रिय संघर्ष तथा आन्दोलन

  शिक्षक अपने विवेकानुसार पाठ्यक्रम से संबंधित प्रोजेक्ट छात्र/छात्रा को दे सकता है।

प्रोजेक्ट कार्य हेतु अंक वितरण :

1.	विषयवस्तु की मौलिकता तथा उसकी शुद्धता	–	1 अंक
2.	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	–	1 अंक
3.	प्रोजेक्ट पूरा करने की प्रक्रिया – पहल करना, सहयोगिता, सहभागिता तथा समयबद्धता	–	1 अंक
4.	विषयवस्तु आत्मसात करने हेतु मौखिक अथवा लिखित परीक्षा	–	2 अंक

<u>शैक्षिक सत्र 2023–24 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन</u> 30अंक

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (प्रोजेक्ट कार्य/गतिविधि)	**अगस्त माह**	10 अंक
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(प्रोजेक्ट कार्य /गतिविधि)	**दिसम्बर माह**	10 अंक
3–चार मासिक परीक्षाएं		10 अंक

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) नवम्बर माह

- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।